खबर संक्षेप

कोयलांचल की बेटी अंकिता बनी चार्टर्ड अकाउंटेंट, क्षेत्र में खुशी की लहर

अमलाई। कोयलांचल क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यापारी एवं समाजसेवी परिवार की होनहार बेटी कुमारी अंकिता छगानी ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की कठिन परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे समाज और व्यापारी वर्ग में खुशी की लहर दौड़ गई है। कुमारी अंकिता छगानी, वरिष्ठ कारोबारी व समाजसेवी किशन चन्द छगानी की पौत्री तथा कपड़ा कारोबारी व समाजसेवी संतोष छगानी की सुपुत्री हैं। परिवार की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर शुभकामनाओं का तांता लग गया है। समाज के वरिष्ठजनों ने इसे न केवल परिवार बल्कि पूरे कोलांचल क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताया है। पूज्य सिंधी पंचायत अमलाई के अध्यक्ष कैलाश लालवानी, उपाध्यक्ष भरत छगानी, पवन चीनी, अजय वाधवानी, अजय लालवानी, संजय लालवानी, संजय ओटवानी, सुनील ओटवानी, अशोक डोडानी, राकेश डोडानी सहित समाज के कई गणमान्य लोगों ने अंकिता को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। साथ ही पूज्य सिंधी पंचायत बुढार धनपुरी के अध्यक्ष दौलत मनमानी एवं अन्य प्रबुद्ध जनों ने भी शुभकामनाएं प्रेषित कर इसे समाज के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया। अमलाई दुर्गा मंदिर व्यापारी संघ के अध्यक्ष प्रदीप पुरी, ओमप्रकाश डोडानी, सचिन पूरी,संतोष टंडन तथा व्यापारी संघ के सदस्यों ने भी अंकिता की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, लगन और परिवार के सहयोग से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। अंकिता की इस सफलता से छगानी परिवार में उत्सव का माहौल है। समाजजनों ने विश्वास जताया कि अंकिता भविष्य में भी नई ऊंचाइयों को छुएंगी और अपने परिवार व क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगी।

आज होगा होलिका दहन

शहडोल। इस साल होली के हुड़दंग पर आसमानी आफत और भद्रा का कड़ा पहरा है। यदि आप 3 मार्च को रंग खेलने की तैयारी में हैं, तो ठहर जाइए! पंडित विनोद गौतम के अनुसार, इस बार चंद्रग्रहण और सूतक की वजह से तिथियों का ऐसा मायाजाल बुना है कि रंगों की होली 3 मार्च के बजाय 4 मार्च को मनाना ही शास्त्रसम्मत और शुभ होगा। पंडित विनोद गौतम ने स्पष्ट किया है कि 2 मार्च की शाम 5:45 बजे से भद्रा काल शुरू हो जाएगा, जो 3 मार्च की सुबह 5:23 बजे तक रहेगा। शास्त्रों में भद्रा मुख में होलिका दहन वर्जित है। ऐसे में 2 मार्च की मध्य रात्रि (रात 1:16 से 2:25 बजे के बीच) भद्रा पुच्छ काल में दहन करना श्रेष्ठ होगा। यदि इस समय चूक गए, तो 3 मार्च की सुबह सूर्योदय से पहले 6:20 बजे तक ही अग्नि प्रज्वलित की जा सकेगी। 3 मार्च को दोपहर 3:21 बजे से शाम 6:47 बजे तक चंद्रग्रहण रहेगा, जो पूरे भारत में दिखाई देगा। पंडित गौतम के मुताबिक, ग्रहण का सूतक 9 घंटे पहले यानी सुबह 6:21 बजे से ही लग जाएगा। पंडित विनोद गौतम का तर्क है कि सूतक और ग्रहण के अशुभ प्रभाव में रंग-गुलाल खेलना और उत्सव मनाना वर्जित है। यह समय केवल मंत्र जप और दान-पुण्य का है। 3 मार्च की शाम ग्रहण समाप्ति के बाद शुद्धिकरण और स्नान होगा, जिसके पश्चात 4 मार्च को ही हर्षोल्लास के साथ होली मनाई जानी चाहिए। यद्यपि कुछ पंचांगों में धुलंडी 3 मार्च को बताई गई है, लेकिन पंडित गौतम ने दो-टूक कहा है कि लोक परंपराओं से ऊपर शास्त्रीय विधान है। ग्रहण के साये में रंग खेलना दोषपूर्ण हो सकता है। अतः शहडोल की धर्मप्राण जनता से अपील है कि वे सूतक काल की मर्यादा का पालन करें।

सहायक संचालक ने खुद को फील्ड डायरेक्टर से ऊपर मानकर खड़ा किया समानांतर शासन

बांधवगढ़ में अफसरशाही और भ्रष्टाचार का बोलबाला

वाहन चालक के मार्फत फेल उम्मीदवारों से बांटी गाइड की रेवड़ियां

शहडोल।

बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य इन दिनों नियम-कानूनों की कब्रगाह और निरंकुश अधिकारियों की जागीर बन चुका है। दस्तावेजों की पड़ताल और पुख्ता जानकारी चीख-चीख कर गवाही दे रही है कि मार्गदर्शकों (गाइड) की भर्ती प्रक्रिया में ताला के सहायक संचालक दिलीप मराठा ने भ्रष्टाचार की सारी हदें पार कर दी हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के लिखित आदेशों की सरेआम धज्जियां उड़ाते हुए असफल उम्मीदवारों को पिछले दरवाजे से (बैकडोर एंट्री) प्रवेश दिलाने का एक सुनियोजित षड्यंत्र रचा गया है। यह पूरा घटनाक्रम इस बात का प्रमाण है कि बांधवगढ़ में अफसरशाही और भ्रष्टाचार का बोलबाला किस कदर हावी है और कैसे एक बेलगाम अधिकारी पूरे सिस्टम को अपनी जेब में रखकर समानांतर शासन चला रहा है।

वरिष्ठ आदेशों की चिता और नियमों का कत्ल

चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 14 जनवरी को क्षेत्र संचालक कार्यालय ने एक बेहद स्पष्ट आदेश (पत्र क्रमांक/पर्यटन/वि.नि./346) जारी किया था। इस आदेश में साफ और सख्त निर्देश था कि 10 असफल आवेदकों को पूरे एक माह (30 दिन) का दोबारा प्रशिक्षण दिलाया जाए। इसके उपरांत उनका पुनः साक्षात्कार लेकर परिणाम से उच्च कार्यालय को अवगत कराया जाए। यह आदेश मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियमों के तहत बाध्यकारी था, लेकिन सत्ता के नशे में चूर सहायक संचालक दिलीप मराठा ने इन नियमों को रद्दी की टोकरी में फेंक दिया।

सात दिन का प्रहसन और वसूली का खुला-खेल

दिलीप मराठा ने उच्चाधिकारियों के इन निर्देशों का गला घोंटते हुए अपनी विशेष रुचि वाले असफल उम्मीदवारों के लिए नियमों की ही बलि चढ़ा दी। 3 फरवरी 2026 को मराठा ने पत्र क्रमांक 82 जारी कर वरिष्ठों के आदेश को पूरी तरह से पलट कर रख दिया। नियमानुसार जहां एक माह का प्रशिक्षण और पुनः साक्षात्कार होना था, उसे अपनी कलम के घमंड में महज 7 दिन (09 फरवरी 2026 से) में समेट कर चयन प्रक्रिया की सरेआम हत्या कर दी गई। अभयारण्य परिसर में इस वसूली की आम चर्चा है कि फेल हुए उम्मीदवारों को मार्गदर्शक बनाने के नाम पर वाहन चालक मनीष के मार्फत मोटी रकम ऐंठी गई है। इसी वसूली के खेल ने मराठा को फील्ड डायरेक्टर के आदेशों को रौंदने की जुर्रत दी है।

पदानुक्रम की उड़ी धज्जियां, पर्यटन अधिकारी को सीधा फरमान

क्षेत्र संचालक का लिखित आदेश स्पष्ट था कि प्रशिक्षण के बाद पुनः साक्षात्कार लेकर परिणाम से उनके कार्यालय को सूचित किया जाए, ताकि अंतिम स्वीकृति मिल सके। लेकिन सहायक संचालक दिलीप मराठा ने यह प्रशासनिक मर्यादा भी तार-तार कर दी। उन्होंने अपने सर्वोच्च अधिकारी (क्षेत्र संचालक) को सूचित करने के बजाय, 3 फरवरी 2026 को ही अपना मनमाना तुगलकी आदेश सीधे पर्यटन अधिकारी को थमा दिया। इस आदेश में उन्होंने उन 10 असफल उम्मीदवारों को सीधे ताला परिक्षेत्र की पंजीयन सूची (रोस्टर) में सम्मिलित करने के निर्देश दे दिए। यह प्रशासनिक अवहेलना और पदानुक्रम के उल्लंघन का सबसे घिनौना रूप है।

भ्रष्टाचार ही बांधवगढ़ का नया कानून

यह पूरा घटनाक्रम साबित करता है कि बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य में एक कनिष्ठ अधिकारी इतनी बेखौफ तरीके से अपने क्षेत्र संचालक और उप संचालक के आदेशों को जूतों तले कुचलता है और बिना वरिष्ठ को सूचित किए सीधे निचले अधिकारी को निर्देश जारी करता है। वाहन चालक मनीष के माध्यम से वसूली के आरोपों ने इस पूरे फर्जीवाड़े को बेनकाब कर दिया है। अब यह यक्ष प्रश्न खड़ा है कि क्या वन विभाग के आला अफसर अपनी ही गरिमा को तार-तार करने वाले इस बेलगाम और भ्रष्ट सहायक संचालक दिलीप मराठा पर कोई सख्त दंडात्मक कार्यवाही करेंगे या फिर बांधवगढ़ को ऐसे ही भ्रष्टाचार के चंगुल में तड़पने के लिए छोड़ दिया जाएगा?

वनों के दुश्मनों और लापरवाहों की अब खैर नहीं

मिशन शहडोल के लिए संतोष शुक्ला बने वन विभाग के सारथी

शहडोल। दक्षिण शहडोल वनमण्डल में अब कागजी घोड़े नहीं दौड़ेंगे, बल्कि विभाग की हर हलचल पर सीधी नजर रखी जाएगी। वन विभाग के कामकाज में पारदर्शिता लाने और वनों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर कड़ा प्रहार करने के लिए सुश्री श्रद्धा पन्द्रे (डीएफओ) ने एक बड़ा दांव खेला है। विभाग ने सख्त तेवर अपनाते हुए उप वनमण्डलाधिकारी सोहागपुर, संतोष कुमार शुक्ला को नोडल अधिकारी की कमान सौंप दी है।

अपराधियों में खौफ, अब हर खबर होगी डिकोड

सूत्रों की मानें तो यह नियुक्ति केवल एक प्रशासनिक फेरबदल नहीं, बल्कि उन रसूखदारों के लिए चेतावनी है जो वन संपदा को अपनी जागीर समझते हैं। अब पौधारोपण के नाम पर होने वाली खानापूर्ति हो या वन्यजीव पर्यटन की आड़ में चलने वाले खेल, हर गतिविधि की जानकारी अब सीधे मीडिया और जनसंपर्क विभाग के साथ साझा की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि स्थानीय समुदाय को रोजगार से जोड़ने और वन महोत्सव जैसे आयोजनों में अब कोई कोताही बर्दाश्त नहीं होगी।

सटीक सूचना, सीधा प्रहार

प्रमुख मुख्य वन संरक्षक भोपाल के कड़े निर्देशों के बाद शहडोल वनमण्डल अब एक्शन मोड में है। नोडल अधिकारी की नियुक्ति के पीछे का असली मकसद विभाग की क्षमता उन्नयन और न्यायिक निर्णयों को धरातल पर उतारना है। अब देखना यह होगा कि संतोष शुक्ला की यह नई पारी जंगलों को कटने से बचाने और विभाग की धूमिल होती छवि को सुधारने में कितनी कारगर साबित होती है।

किसान के बेटे लवकेश ने गाड़ा सफलता का झंडा

शहडोल के लाल का दिल्ली में डंका

शहडोल। प्रतिभा किसी की बपौती नहीं होती और न ही सफलता के लिए महानगरों की चकाचौंध जरूरी है। इसे सच कर दिखाया है संभाग के बुढ़ार निवासी एक साधारण किसान परिवार के लाड़ले लवकेश भंभानी ने। लवकेश ने देश की सबसे बड़ी अदालत, भारत के सर्वोच्च न्यायालय की प्रतिष्ठित एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड परीक्षा को अपने पहले ही प्रयास (वर्ष 2025) में फतेह कर इतिहास रच दिया है। यह कामयाबी इसलिए भी बड़ी है क्योंकि अब लवकेश को सर्वोच्च न्यायालय में स्वतंत्र रूप से पैरवी करने का अधिकार मिल गया है, जो किसी भी अधिवक्ता के लिए एवरेस्ट फतह करने जैसा है।

गणित के धुरंधर ने कानून की दुनिया में गाड़ा लोहा

लवकेश की शैक्षणिक यात्रा बुढ़ार के ज्ञाननिकेतन विद्यालय से शुरू हुई, जिसके बाद उन्होंने धनपुरी के एमजीएम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से 10वीं और इंदौर के सेंट पॉल विद्यालय से 12वीं की शिक्षा पूरी की। हालांकि, उनका रुझान गणित की जटिलताओं की ओर था, लेकिन अपनी ममेरी बहन और सर्वोच्च न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता प्रिया हिंगोरानी से मिली प्रेरणा ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। उन्होंने दिल्ली के विख्यात जामिया मिलिया इस्लामिया से विधि (बीए एलएलबी) की उपाधि प्राप्त की और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

विरासत में मिली है मेधा

सफलता की यह कहानी केवल लवकेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवार की रगों में दौड़ती विद्वत्ता का प्रमाण है। लवकेश, बुढ़ार के प्रतिष्ठित किसान राजा भंभानी के सुपुत्र हैं। उनकी बड़ी बहन चांदनी भंभानी वर्तमान में बेंगलुरु के सेंट जोसेफ विश्वविद्यालय में आचार्य (प्रोफेसर) के पद पर आसीन हैं और शिक्षा के क्षेत्र में अमेरिका, फ्रांस और कनाडा जैसे देशों में भारत का प्रतिनिधित्व कर स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं।

पूरे संभाग में जश्न का माहौल

लवकेश की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बुढ़ार, धनपुरी, अमलाई और हाटी क्षेत्र के सिंधी समाज सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों ने हर्ष व्यक्त किया है। उत्तर प्रदेश से भी समाजसेवियों ने बधाई संदेश भेजकर इसे पूरे विंध्य क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण बताया है। लवकेश की यह जीत शहडोल संभाग के उन तमाम युवाओं के लिए एक करारा जवाब है जो अभावों का रोना रोते हैं। उन्होंने साबित कर दिया कि यदि इरादे फौलादी हों, तो खेत की पगडंडियों से निकलकर दिल्ली की दहलीज तक का सफर तय करना नामुमकिन नहीं है।

विश्व विद्यालय कैंपस में होली के जश्न के बीच मधुमक्खियों का तांडव

शहडोल। अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों से ज्यादा विवादों और कुप्रबंधन के लिए सुर्खियों में रहने वाला पंडित शंभूनाथ विश्वविद्यालय एक बार फिर शर्मसार हुआ है। इस बार मौका था होली के जश्न का, लेकिन कैंपस की फिजां में गुलाल कम और दहशत ज्यादा नजर आई। डीजे की कानफोड़ू धमक पर झूमते छात्र-छात्राओं के बीच अचानक ऐसा मंजर उभरा कि जश्न, जंग के मैदान में तब्दील हो गया।

विश्वविद्यालय परिसर में जब छात्र फिल्मी गानों पर थिरक रहे थे, तभी अचानक मधुमक्खियों के एक विशाल झुंड ने हमला बोल दिया। देखते ही देखते भगदड़ मच गई। छात्र अपनी जान बचाने के लिए बदहवास होकर इधर-उधर भागने लगे। कई छात्र जमीन पर गिरते-पड़ते दिखे, तो कई एक-दूसरे के ऊपर चढ़कर भागते नजर आए। सवाल यह उठता है कि क्या आयोजन से पहले विश्वविद्यालय प्रबंधन ने सुरक्षा ऑडिट करना जरूरी नहीं समझा? क्या कैंपस में मौजूद मधुमक्खियों के छत्तों की ओर किसी का ध्यान नहीं गया? यह लापरवाही किसी की जान पर भी बन सकती थी।

मधुमक्खियों के हमले से मची अफरा-तफरी अभी थमी भी नहीं थी कि अनुशासन की धज्जियां उड़ाते हुए छात्रों के दो गुट आपस में भिड़ गए। रंग खेलने के दौरान हुई मामूली कहासुनी देखते ही देखते खूनी संघर्ष जैसी स्थिति में बदल गई। सरेआम धक्का-मुक्की और गाली-गलौज का यह तमाशा काफी देर तक चलता रहा, जबकि सुरक्षाकर्मी मूकदर्शक बने रहे। बाद में कुछ छात्रों और नाममात्र के प्रशासनिक दखल के बाद मामला शांत हुआ, लेकिन तब तक विश्वविद्यालय की साख धूल धूसरित हो चुकी थी।

गौरतलब है कि हाल ही में यह विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह में परोसे गए बदबूदार और दूषित भोजन को लेकर पूरे प्रदेश में थू-थू करा चुका है। उस दाग के धुलने से पहले ही इस होली कांड ने प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर कालिख पोत दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो विश्वविद्यालय की खोखली सुरक्षा व्यवस्था और बेलगाम छात्रों की दास्तान खुद बयां कर रहे हैं। कैंपस के भीतर न तो छात्र सुरक्षित हैं और न ही अनुशासन का कोई वजूद बचा है। क्या कुलपति और प्रशासनिक अधिकारी केवल बड़े-बड़े आयोजनों की फोटो खिंचवाने तक सीमित हैं? जब तक इस संस्थान में जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक पंडित शंभूनाथ विश्वविद्यालय केवल विवादों का केंद्र बना रहेगा।

युवक फांसी के फंदे पर झूला

धनपुरी। प्रेम में नाकामी और टूटते सपनों के बोझ ने एक हंसती-खेलती जिंदगी की बलि ले ली। धनपुरी थाना क्षेत्र के वार्ड-16 निवासी स्टेशनरी संचालक अनुपम उर्फ निशू शर्मा ने मौत का ऐसा रास्ता चुना जिसे देख परिजनों की रूह कांप गई। बताया जा रहा है कि अनूपपुर की एक युवती से प्रेम प्रसंग और उसकी शादी कहीं और तय होने के सदमे ने अनुपम को इस कदर तोड़ा कि उसने कमरे में कैद होकर लैपटॉप की लीड को ही अपना काल बना लिया।

जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला, तो परिजनों ने अनहोनी की आशंका में कुंडी तोड़ी, लेकिन अंदर का मंजर देख पैरों तले जमीन खिसक गई। अनुपम पंखे के सहारे लैपटॉप की केबल से झूल रहा था। सवाल यह उठता है कि क्या आज की युवा पीढ़ी भावनाओं के इस कदर गुलाम हो चुकी है कि मौत को गले लगाना उन्हें आसान समाधान लगता है? धनपुरी पुलिस ने मर्ग कायम कर जाँच शुरू कर दी है, लेकिन इस इश्क के खूनी अंत ने इलाके में सनसनी फैला दी है।

इनका कहना है...

धनपुरी नं 4 में एक युवक लैपटॉप की लीड से फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया, बताया जा रहा है कि प्रेम प्रसंग के चलते युवक ने सुसाइट किया है, मामले में मर्ग कायम कर मामले की पड़ताल की जा रही है।

खेम सिंह पैंद्रो
थाना प्रभारी, धनपुरी

होली पर हुड़दंगियों को पुलिस की चेतावनी

रंग में भंग डाला तो खैर नहीं, सलाखों के पीछे मनेगी होली

शहडोल। रंगों का त्यौहार होली नजदीक आते ही जिले की पुलिस एक्शन मोड में नजर आ रही है। पुलिस अधीक्षक के कड़े निर्देशों के बाद जिले के तमाम थानों में शांति समिति की बैठकों का दौर शुरू हो गया है। कहने को तो ये बैठकें सौहार्द के लिए हैं, लेकिन पुलिस का तेवर साफ बता रहा है कि इस बार हुड़दंगियों और नशेड़ियों की खैर नहीं है। थानों में जुटे जनप्रतिनिधियों और रसूखदारों के बीच थाना प्रभारियों ने दो-टूक कह दिया है कि त्यौहार मनाओ, तमाशा नहीं।

बैठक में केवल चाय-बिस्कुट नहीं चले, बल्कि उन असामाजिक तत्वों की सूची भी खंगाली गई जो त्यौहार के नाम पर शहर की शांति भंग करते हैं। होलिका दहन स्थलों से लेकर जुलूस मार्गों तक, पुलिस ने अपनी नजर गड़ा दी है। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल की तैनाती और 24 घंटे पेट्रोलिंग का खाका खींच लिया गया है। पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें फैलाने वाले की-बोर्ड वॉरियर्स पर सायबर सेल की पैनी नजर है। एक गलत मैसेज और सीधे जेल की सैर!

अक्सर देखा जाता है कि होली के नाम पर कानफोड़ू डीजे और अवैध शराब का तांडव सडक़ों पर उतर आता है। इस बार पुलिस ने कानून का डंडा पहले ही दिखा दिया है। सख्त हिदायत दी गई है कि निर्धारित समय के बाद डीजे बजा तो जब्ती पक्की है। साथ ही, शराब पीकर सडक़ों पर स्टंट करने वाले यमराज के दूतों के लिए पुलिस ने विशेष नाकाबंदी की तैयारी की है।

थाना प्रभारियों ने जनता से सहयोग तो मांगा है, लेकिन तेवर आक्रामक हैं। साफ कहा गया है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। अब देखना यह होगा कि बैठकों में दिखाई गई यह सख्ती धरातल पर कितनी कारगर साबित होती है, या फिर हर बार की तरह हुड़दंगी पुलिस की मुस्तैदी को धता बताकर अपना खेल खेल जाएंगे। पुलिस की मुस्तैदी कागजों से निकलकर सडक़ों पर दिखे, तभी शहडोल की होली वाकई शांतिपूर्ण कहलाएगी

शंभूनाथ यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर क्रांति

एआई और साइबर सुरक्षा के गुर सीखकर दक्ष हुए छात्र

शहडोल। विवादों के साये से बाहर निकलकर पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय अब डिजिटल स्ट्राइक के मूड में है। विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग ने दो चरणों में चले सघन प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिए छात्र-छात्राओं को किताबी ज्ञान से बाहर निकालकर आधुनिक तकनीक के समर में उतार दिया है। 12 जनवरी से शुरू हुआ यह तकनीकी महाकुंभ 18 फरवरी को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें एआई से लेकर साइबर सुरक्षा तक के पेचीदा गुर सिखाए गए।

विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार पांडेय के नेतृत्व में चले इस कैंप में केवल एम.एस. ऑफिस की घिसी-पिटी शिक्षा नहीं दी गई, बल्कि आज के दौर की सबसे बड़ी जरूरत डिजिटल पेमेंट सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर सीधा प्रहार किया गया। नोडल अधिकारी डॉ. रचना दुबे और उनकी टीम ने छात्रों को ऑनलाइन ठगी के जाल से बचने और भविष्य की नौकरियों के लिए खुद को अपडेट करने का मंत्र दिया।

समापन के अवसर पर कुलगुरु प्रोफेसर राम शंकर और कुलसचिव सरिता चौहान ने साफ कर दिया कि अब केवल डिग्री से काम नहीं चलेगा, हाथ में हुनर होना अनिवार्य है। विशेषज्ञों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जो छात्र तकनीक के साथ कदम नहीं मिलाएंगे, वे दौड़ में पिछड़ जाएंगे। समन्वयकों की फौज ने इस आयोजन को कागजी खानापूर्ति के बजाय एक वास्तविक स्किल बूस्टर साबित कर दिखाया है। यूनिवर्सिटी का यह कदम उन आलोचकों के मुंह पर तमाचा है जो इसे केवल विवादों का केंद्र मानते थे। अब देखना यह है कि ये डिजिटल योद्धा रोजगार के बाजार में कितनी धमक दिखाते हैं।

मुख्यालय के 13 केंद्रों पर कड़े पहरे के बीच संपन्न हुई राज्य पात्रता परीक्षा

कलेक्टर के औचक निरीक्षण से केंद्राध्यक्षों में मची रही खलबली

शहडोल। राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य पात्रता परीक्षा रविवार को जिला मुख्यालय के 13 केंद्रों पर संपन्न हुई। परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन पहले से ही अलर्ट मोड पर था। दोपहर 12 बजे जैसे ही पर्चा खुला, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह खुद मैदान में उतर आए। कलेक्टर के अचानक परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने और व्यवस्थाओं की सर्जिकल जांच करने से ड्यूटी पर तैनात अमले में हडक़ंप की स्थिति बनी रही।

परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने शासकीय कन्या महाविद्यालय और पॉलिटेक्निक सहित कई संवेदनशील केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने न केवल बैठक व्यवस्था देखी, बल्कि सुरक्षा मानकों और वीडियोग्राफी की भी बारीकी से पड़ताल की। उनके साथ परीक्षा प्रभारी डिप्टी कलेक्टर अर्चना मिश्रा ने भी केंद्रों की कमान संभाली और पल-पल की मॉनिटरिंग की। राज्य सेवा आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक और सेवानिवृत्त न्यायाधीश रामगोपाल प्रजापति ने भी केंद्रों का जायजा लिया, जहां व्यवस्थाएं चाक-चौबंद पाई गईं।

आंकड़ों की बात करें तो इस बार की परीक्षा में परीक्षार्थियों का उत्साह उम्मीद से कम नजर आया। कुल 4929 पंजीकृत

अभ्यर्थियों में से केवल 3871 ने ही अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जबकि 1058 परीक्षार्थियों ने परीक्षा से किनारा कर लिया। जिले का कुल उपस्थिति प्रतिशत 78.53 रहा। सवाल यह उठता है कि क्या कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव अभ्यर्थियों के कदम पीछे खींच रहा है?

शहर के पीएमश्री रघुराज, एमएलबी, सेंट जूट्स और गुड शेफर्ड जैसे स्कूलों में भी कड़े सुरक्षा घेरे के बीच परीक्षा संपन्न हुई। प्रशासन की आक्रामकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक गजट तो दूर, पेन की भी सघन जांच की गई। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया कि शहडोल में किसी भी प्रकार की अनियमितता या नकल के लिए कोई जगह नहीं है। भले ही 21 प्रतिशत परीक्षार्थी मैदान छोडक़र भाग गए हों, लेकिन प्रशासन की मुस्तैदी ने यह साबित कर दिया कि शहडोल में परीक्षा की गरिमा से खिलवाड़ नामुमकिन है।

छोटेलाल सरावगी ने निभाया अटूट मित्रता का धर्म

बुढ़ार में आध्यात्मिक महाकुंभ भक्ति कुंज के विमोचन से गूंजा विंध्य

बुढ़ार। सियासत के गलियारों से लेकर अध्यात्म की चौखट तक, शनिवार को बुढ़ार की अतिराज वाटिका एक ऐतिहासिक गवाह बनी। अवसर था भक्ति कुंज ग्रंथ के विमोचन का, जहां भक्ति, प्रेम और करुणा का ऐसा त्रिवेणी संगम दिखा कि उपस्थित हजारों धर्मप्रेमियों की आंखें सजल हो उठीं। इस भव्य आयोजन ने साबित कर दिया कि जब संकल्प दृढ़ हो, तो साकेतवासी मित्र की अंतिम इच्छा को भी साकार किया जा सकता है।

दोस्ती और धर्म का बेजोड़ संगम

सोहागपुर विधानसभा के पूर्व विधायक और धर्मानुरागी छोटेलाल सरावगी ने मित्रता की वह मिसाल पेश की है, जो आज के दौर में दुर्लभ है। करुआताल (गोहपारू) निवासी उनके अभिन्न मित्र साकेतवासी बाबा माधव शरण ने वर्ष 2005 में अपनी हस्तलिखित पांडुलिपि उन्हें सौंपी थी। श्री सरावगी ने न केवल उस धरोहर को सहेज कर रखा, बल्कि उसे एक भव्य ग्रंथ भक्ति कुंज के रूप में प्रकाशित करवाकर दुनिया के सामने लाकर अपना मित्र धर्म और सनातन धर्म दोनों निभाया।

छोटे नहीं, बड़े लाल हैं सरावगी

विमोचन समारोह में देश के ख्यातिलब्ध संतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इंदौर के महामंडलेश्वर 1008 श्री रामगोपाल दास जी महाराज ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि बाबा माधव शरण ने भक्ति की जो चाबी सरावगी जी को दी थी, उसे उन्होंने पूरी निष्ठा से संभाला। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि नाम छोटेलाल है, लेकिन इनके कार्य इन्हें बड़े लाल की श्रेणी में खड़ा करते हैं। वहीं वृन्दावन के महामंडलेश्वर 1008 श्री गंगादास जी महाराज, बुढ़ार के महन्त अर्जुनदास जी महाराज और उत्तर प्रदेश के महन्त राघवेन्द्र दास जी महाराज जैसे शीर्ष संतों ने भी ग्रंथ की महिमा और सरावगी परिवार के समर्पण की मुक्तकंठ से सराहना की।

7 खंडों में सिमटा ब्रह्मांड

यह ग्रंथ केवल पन्नों का पुलिंदा नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है। 7 खंडों में विभक्त यह महाग्रंथ श्रीराम-जानकी चरित्र से लेकर दुर्गा चरित्र, गणेश चरित्र और शबरी, भील, अम्बरीष जैसे परम भक्तों की गाथाओं को अपने भीतर समेटे हुए है। दोहा, छंद और पदों के माध्यम से इसमें ईश्वर और भक्त के मधुर संबंधों को ऐसी जीवंत भाषा में उकेरा गया है कि पाठक सीधे अध्यात्म से जुड़ जाता है।

पादुका पूजन से लेकर आभार तक

कार्यक्रम की शुरुआत संतों के भव्य स्वागत और पादुका पूजन के साथ हुई। सरावगी परिवार ने अपनी पूरी सामर्थ्य और श्रद्धा के साथ संतों का वंदन किया। पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष राजकुमार सरावगी ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया, वहीं नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने पधारे हुए हजारों श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. पंकज शर्मा एवं अभिषेक शर्मा ने किया। इस आयोजन ने बुढ़ार को केवल एक व्यापारिक नगर नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक केंद्र के रूप में भी स्थापित कर दिया है। उपस्थित जनसमूह के चेहरों पर संतोष इस बात का गवाह था कि भक्ति कुंज आने वाले समय में हर सनातनी के घर की शोभा बनेगा।

सलाम! शहडोल के स्वास्थ्य-ऋषि डॉ. मित्तल

60 साल की अनवरत सेवा, ठुकराया प्रमोशन, नहीं छोड़ी अपनी कर्मभूमि

शहडोल। चिकित्सा जगत में जब सेवा शब्द व्यापार की भेंट चढ़ रहा हो, तब शहडोल संभाग के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. के.एन. मित्तल का जीवन एक जलती हुई मशाल की तरह दिखाई देता है। 28 फरवरी 1966 को जब उन्होंने जिला अस्पताल शहडोल में कदम रखा था, तब चिकित्सा सुविधा के नाम पर जिला बदहाली के दौर में था। आज 60 साल बीत जाने के बाद भी, उनकी ऊर्जा और समर्पण का जज्बा किसी युवा डॉक्टर से कम नहीं है।

तीन डॉक्टरों के भरोसे पूरा जिला

गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल से डिग्री लेकर निकले डॉ. मित्तल ने उस दौर में सेवा शुरू की जब अस्पताल में गिने-चुने डॉक्टर थे। ओपीडी, ऑपरेशन थिएटर, पोस्टमार्टम और आधी रात के इमरजेंसी केस डॉ. मित्तल ने हर मोर्चे पर अकेले ही फतह हासिल की। 1972 में इंदौर से पीजी करने और बेंगलुरु से विशेष प्रशिक्षण लेने के बाद जब वे टीबी विशेषज्ञ बने, तो उन्होंने शहडोल के आदिवासी अंचलों की सूरत बदलने की ठान ली।

जब झाड़-फूंक पर भारी पड़ी डॉ. मित्तल की संवेदना

एक दौर था जब आदिवासी अंचल में टीबी को अभिशाप माना जाता था। मरीज अस्पताल के बजाय झोलाछाप डॉक्टरों और तांत्रिकों के चक्कर में अपनी जान गंवा देते थे। डॉ. मित्तल ने एसी कमरों में बैठने के बजाय धूल भरे रास्तों को चुना। उन्होंने घर-घर जाकर आदिवासियों को समझाया कि टीबी लाइलाज नहीं है। उन्होंने न केवल दवा दी, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति का विश्वास जीता।

कुर्सी का मोह नहीं, कर्म को माना प्रधान

डॉ. मित्तल के समर्पण का सबसे बड़ा प्रमाण 1985 में देखने को मिला। जब उन्हें छतरपुर में अधीक्षक के बड़े पद पर पदोन्नति (प्रमोशन) देकर भेजा जा रहा था, तब उन्होंने उसे सिरे से ठुकरा दिया। उनका तर्क साफ और आक्रामक था, मुझे फाइलों में कैद होकर साहब नहीं बनना, मुझे अपनों के बीच रहकर डॉक्टर ही रहना है। उन्होंने प्रमोशन के बदले शहडोल की मिट्टी को चुना और रिटायरमेंट के बाद आज भी निःस्वार्थ भाव से समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं। डॉ. के.एन. मित्तल का यह सफर महज एक करियर नहीं, बल्कि एक संकल्प है। उन्होंने साबित कर दिया कि असली पुरस्कार सरकारी तमगे नहीं, बल्कि जनता की दुआएं होती हैं। शहडोल के स्वास्थ्य इतिहास में डॉ. मित्तल का नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज रहेगा।

उमरिया के गुलाल की राजधानी में रही धूम

उमरिया। होली के अवसर पर भोपाल हाट में दो दिवसीय विशेष होली मेला 28 फरवरी से 01 मार्च को आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आयोजित किए जा रहे इस मेले में होली के दृष्टिगत विशेष उत्पाद लेकर विभिन्न जिलों के ग्रामीण अंचलों से समूहों की दीदियो ने भाग लिया।मेला प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात्रि 09 बजे तक खुला रहा।भोपाल में आयोजित होली मेले में उमरिया जिले कि स्व सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा तैयार किये गए हर्बल गुलाल के स्टॉल लगाए गए, जो लोगो के लिए लोकप्रिय रहे।

महिलाओं का कहना है कि यह हर्बल गुलाल में किसी भी प्रकार का रसायन उपयोग नही किया गया है। हर्बल गुलाल से त्वचा को किसी भी प्रकार का नुकसान नही पहुचता है। अब तक 30 किलो से अधिक हर्बल गुलाल का विक्रय किया जा चुका है। हर्बल गुलाल की बिक्री से हमारे व्यापार में भी वृद्धि हुई है। त्योहार के समय महिलाओं की आय में वृद्धि करने के लिए यह होली मेला कारगर साबित हुआ है।

विदित हो कि भोपाल में आयोजित होली मेले में उमरिया जिले कि स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा लगाए गए हर्बल गुलाल के स्टॉल का राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह ने अवलोकन किया तथा महुआ की बिस्किट का स्वाद चखकर समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित किया।

मोह और अज्ञान ही संसार में भटकाव के मूल कारण: मुनि श्री

बुढ़ार।

अनादि काल से यह जीव संसार की 84 लाख योनियों और चारों गतियों में निरंतर भटक रहा है। इस अंतहीन यात्रा और दुखों का सबसे बड़ा कारण बाहर नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर छिपा है। मोह, मिथ्यात्व और अज्ञान ही वे बेडिय़ाँ हैं, जिन्होंने आत्मा को जकड़ रखा है। ये मार्मिक उद्गार भावनायोग प्रणेता, प्रखर वक्ता मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने व्यक्त किए। अवसर था नव-निर्मित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का। महोत्सव के पांचवें दिन, भगवान के कैवल्यज्ञान प्राप्ति के पश्चात सजे समवसरण की गणधर पीठिका से मुनि श्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

दुर्गतियों का चक्र और आत्म-साक्षात्कार

मुनि श्री ने नरक गति की विभीषिकाओं का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को सचेत किया। उन्होंने कहा कि मोह के वशीभूत होकर जीव ऐसे कर्म करता है जिससे उसे नरक में हजारों बिच्छुओं के डंक जैसी असहनीय वेदना सहनी पड़ती है। वहां से निकलकर जीव तिर्यंच और फिर बड़ी मुश्किल से मनुष्य योनि में आता है, लेकिन यहाँ भी अज्ञानता के कारण वह इंद्रिय विषयों और कषायों (क्रोध, मान, माया, लोभ) के जाल में फंस जाता है। मुनि श्री ने जोर देकर कहा जब तक जीव अपने आत्मस्वरूप को नहीं पहचानता, तब तक सम्यक दर्शन की प्राप्ति असंभव है। जिस प्रकार नींव के बिना महल नहीं टिकता, उसी प्रकार सम्यक दर्शन के बिना ज्ञान और चरित्र की शुद्धि नहीं हो सकती। दर्शन मूलो धम्मो अर्थात सम्यक दर्शन ही धर्म की जड़ है।

धार्मिक शंका-समाधान और भगवान महावीर द्वार का शिलान्यास

समवसरण में निर्यापक मुनि श्री प्रसाद सागर महाराज, मुनि श्री शीतल सागर, मुनि श्री संधान सागर एवं क्षुल्लक श्री समादर सागर महाराज सहित विद्वतजनों ने जिज्ञासाएँ प्रस्तुत कीं, जिनका समाधान मुनि श्री ने अपनी ओजस्वी ओंकार ध्वनि के माध्यम से किया। महोत्सव का एक ऐतिहासिक क्षण तब आया जब मुनि संघ के सानिध्य में भगवान महावीर द्वार का विधि-विधान से शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक जय सिंह मरावी, नगर परिषद अध्यक्षा शालिनी सरावगी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने आधारशिला रखी। मुनि श्री ने कहा कि भगवान के नाम से नगर में प्रवेश करना शुभता का प्रतीक है और यह द्वार क्षेत्र की आस्था एवं संस्कृति का स्तंभ बनेगा।

गणमान्य जनों की उपस्थिति

इस आध्यात्मिक समागम में मध्य प्रदेश शासन के राज्यमंत्री दिलीप जयसवाल, जिला कलेक्टर केदार सिंह सहित अनेक प्रशासनिक अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने समवसरण में श्रीफल समर्पित कर आशीर्वाद लिया। विशेष रूप से चित्रकूट धाम के प्रसिद्ध भागवत कथा वाचक डॉ. मदनमोहन मिश्र की उपस्थिति ने इस महोत्सव को सर्वधर्म समभाव का अनूठा मंच बना दिया। पूरा बुढ़ार नगर वर्तमान में भक्ति और धर्म की गंगा में सराबोर है। मुनि श्री ने अंत में आह्वान किया कि यदि भव-बंधन से मुक्त होना है, तो रत्नत्रय (सम्यक दर्शन, ज्ञान, चरित्र) को अपने जीवन में उतारना ही एकमात्र मार्ग है।

होली के रंगों से ऐसे रखें अपने स्किन और बालों का ख्याल

इस एक चीज के इस्तेमाल से मिनटों में निकल जाएगा कलर

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

होली आ रही है तो जाहिर सी बात है कि आप भी रंग गुलाल से बच नहीं सकते. आपका कोई अपना कलर लगा ही देगा. ऐसे में सबसे ज्यादा आपको अपनी स्किन और बालों का ख्याल रखना होता है। होली में खासतौर पर कुछ महिलाओं को यह चिंता रहती है कि होली में जो कलर उन्हें लगाया जा रहा है कहीं उससे उनकी त्वचा पर कोई प्रभाव तो नहीं पड़ेगा। आज बाजार में तरह-तरह के रंग मौजूद हैं जिसमें सुखे गीले स्प्रे कलर वाले रंगों से बाजार सजा हुआ है। जिसमें कौन सा कलर त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है अंतर कर पाना मुश्किल हो जाता है। मंगलवार को होली का त्यौहार है। बाजार में रौनक दिखाई देने लगी है. बाजार सज चुके हैं, रंग-गुलाल, पिचकारियों से दुकानें रंगीन हो चुकी हैं. तरह-तरह के मुखौटे दुकानों का आकर्षण बढ़ा रहे हैं. होली में तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किया जाता है. ऐसे में स्किन और बालों के लिए ये केमिकल युक्त रंग काफी हार्मफुल होते हैं. इन कलरफुल रंगों से अपने स्किन और बालों की सुरक्षा कैसे करें, किन बातों का ख्याल रखें, जानते हैं।

मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी के पद पर पदस्थ **डॉक्टर केएल दीवान** ने कहा कि गहरे केमिकल वाले रंगों का इस्तेमाल न करें. आंखों में रंग चले जाने पर घरेलू उपचार न अपनाएं, डॉक्टर की सलाह लें. कॉन्टैक्ट लेंस पहनकर होली न खेलें, इससे इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है. होली रंगों का त्योहार है, लेकिन थोड़ी सी सावधानी बरतकर आप इसे सुरक्षित और आनंददायक बना सकते हैं, केमिकल युक्त रंगों का उपयोग न करें।

डॉक्टर मनोज कुमार का कहना है होली पर्व पर बाजार में विभिन्न प्रकार के केमिकल रंग आ रहे हैं। ये रंग त्वचा, चेहरे और आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इन रंगों का इस्तेमाल करने के बजाय होली पर हर्बल रंगों का इस्तेमाल करें। हर्बल रंग आपके चेहरे, त्वचा और आंखों को नुकसान होने से बचाएंगे। होली पर्व पर चेहरे और आंखों को सुरक्षित रखने के लिए चिकित्सक ने परामर्श दिया है। होली खेलने से पहले चेहरे और शरीर पर मॉइस्चराइजर क्रीम लगाएं। रंग खेलने से पहले नारियल या सरसों का तेल शरीर में लगा लें। होली के रंग को लंबे समय तक शरीर पर न रहने दें। रंग लगने के बाद ज्यादा समय तक धूप में न रहें। छोटे बच्चों को रंगों से दूर रखें। मुंह धोने और स्नान करने के बाद तुरंत मॉइस्चराइजर क्रीम का इस्तेमाल करें। खुजली, एलर्जी होने पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लें।

डॉक्टर संगीता प्रजापति से जब इस संबंध में हमने जानकारी ली तो उनका कहना था कि होली के रंग और स्किन की सुरक्षा अक्सर देखने को मिलता है कि होली के जो रंग होते हैं वह स्किन के लिए हार्मफुल होते हैं, बालों को भी नुकसान पहुंचाते हैं. ऐसे में होली के इस रंग से अपने स्किन और बालों की सुरक्षा कैसे करें। मार्केट में मिलने वाले जो रंग होते हैं वो केमिकल से बने होते हैं. कई रंगों में एसिड का भी इस्तेमाल होता है. खासकर अमोनिया, नाइट्रोजन कंपाउंड हो गया, यह पार्टिकुलर हेयर और स्किन के लिए काफी हार्मफुल होते हैं. हर्बल गुलाल और कलर का इस्तेमाल करें। डॉ संगीता प्रजापति बताती हैं कि पहले जो गुलाल होते थे वो हर्बल चीजों से बनाए जाते थे, जैसे पलाश के फूल से और अन्य हर्बल कलर जैसे हल्दी आदि से बनाए जाते थे लेकिन पिछले कुछ समय से सभी कलर केमिकल से बनने लगे हैं. इस कंडीशन में स्किन में अब्रेशन होना, स्किन में एलर्जी होना, ये सब बड़ा कॉमन हो गया है. सबसे पहले तो कोशिश करें कि ऑर्गेनिक सर्टिफाइड हर्बल गुलाल और रंगों का इस्तेमाल करें.। कहते हैं कि प्रिकॉशन इस बेटर दैन क्योर तो होली खेलने से पहले कोशिश करें कि चेहरे पर कुछ ऐसे सब्सटेंशन का लेयर लगा लें जो कि आपके स्किन का प्रोटेक्शन करे. जिसमें सबसे बेस्ट होता है नारियल का तेल. अगर आप नारियल का तेल चेहरे पर प्रचुर मात्रा में और बालों पर लगाते हैं, तो स्किन के डैमेज होने के चांसेस बहुत कम हो जाते हैं।

नेत्र रोग चिकित्सक डां. रामकेश द्विवेदी से संवाददाता ने बात की. तो उनका कहना है कि होली के रंगों में केमिकल की मात्रा अधिक होती है, जो आंखों के लिए हानिकारक हो सकता है. उन्होंने बताया कि अगर सूखा रंग आंखों में चला जाए, तो उसे ठंडे पानी से धो लेना चाहिए. इस दौरान आंखों को मसलना बिल्कुल नहीं चाहिए, क्योंकि इससे रंग आंखों की पुतली में गहराई तक जा सकता है और जलन बढ़ सकती है। डॉ. रामकेश के अनुसार, गीले रंग ज्यादा खतरनाक होते हैं, क्योंकि उनमें केमिकल अधिक होता है, जो आंखों की सतह को नुकसान पहुंचा सकता है. यदि गीला रंग आंख में चला जाए और तेज जलन महसूस हो, तो तुरंत किसी नेत्र चिकित्सक से संपर्क करें। रंग खेलने से पहले आंखों के चारों ओर नारियल तेल या पेट्रोलियम जेली लगाएं, ताकि रंग सीधा त्वचा और आंखों में न लगे. गॉगल्स या सनग्लासेस पहनकर होली खेलें, इससे आंखों में रंग जाने का खतरा कम हो जाएगा. किसी भी हालत में आंखों को मसलें नहीं, खासकर जब उनमें रंग चला गया हो. होली के दौरान स्प्रे वाले रंगों से बचें, क्योंकि ये आंखों के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक होते हैं, खासकर बच्चों के लिए. अगर जलन ज्यादा हो रही हो, तो ठंडे पानी से आंखें धोएं और तुरंत डॉक्टर को दिखाएं. बच्चों की आंखों की सुरक्षा पर खास ध्यान दें। छोटे बच्चे सबसे ज्यादा जोखिम में होते हैं, क्योंकि वे खेल-खेल में आंखों को मसल लेते हैं, जिससे रंग गहराई तक पहुंच सकता है. इसलिए होली के दौरान बच्चों को तेज केमिकल वाले रंगों से दूर रखना चाहिए।

डॉ पुष्पेंद्र पाठक का कहना है कि जो भी कलर मार्केट से परचेस कर रहे हैं वह केमिकल फ्री होना चाहिए मार्केट में ऑर्गेनिक गुलाल एव्लेबल होते हैं उसे ही खरीदे होली खेलते समय पक्के रंग से बचना चाहिए। जब भी होली खेले जाए तो चेहरे पर रंग खेलने के पहले फेस या बॉडी पर वैसलीन या कोई तेल जरूर लगा ले। कभी भी होली खेलने के बाद ज्यादा रन ना करें। यदि कलर कलर नहीं निकले तो घर का मक्का लिया कोकोनट ऑयल से रब करे। सन स्क्रीन लगाने के बाद ही होली खेले या धूप में जाएं। होली खेलने से पहले चेहरे पर एलोवेरा लगाना भी एक अच्छा ऑप्शन होता है एलोवेरा में एंटीबैक्टीरियल एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं। जो रंगों से होने वाले नुकसान से भी बचाता है। होली खेलने के पहले चेहरे पर नारियल तेल जरूर लगा लेना चाहिए इसे आसानी से बाद में रंग निकल जाता है और त्वचा पूरी सुरक्षित हो जाती है त्वचा रुफ नहीं होती है।

पीएम हाई स्कूल में पढ़ने वाले 327 छात्र-छात्राओं की सुरक्षा खतरे में बनी

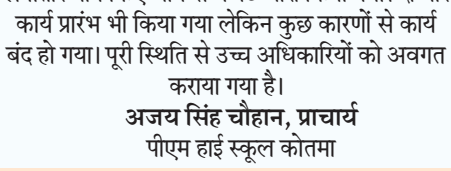

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के बस स्टैंड के समीप संचालित पीएम हाई स्कूल में पढ़ने वाले 327 छात्र-छात्राओं की सुरक्षा खतरे में बनी हुई है। पिछले 2 साल से स्कूल की बाउंड्री वॉल टूटे होने के बाद भी अभी तक निर्माण न होने से जहां पर पूरे दिन सड़क से ही स्कूल की गतिविधियां लोगों को आते-जाते नजर आती है। वही स्कूल में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं असहज महसूस करते हैं। दोपहर में जब लंच के दौरान छात्र-छात्राएं मैदान में खेलते हैं तो कुछ असामाजिक तत्व नजर गड़ाए रहते हैं। पिछले दो वर्षों से बाउंड्री वॉल टूटे होने के बाद भी किसी जनप्रतिनिधि द्वारा पहल नहीं की गई। सूत्रों के अनुसार निर्माण कार्य प्रारंभ होने के दौरान कुछ लोगों द्वारा जबरन अड़ंगा लगाते हुए कार्य को बंद करवा दिया गया। निर्माण एजेंसी काम बंद करते हुए वापस चली गई। स्कूल के स्टाफ का कहना है कि बिना बाउंड्री वॉल के स्कूल में पढ़ने वाले 3 सौ से ज्यादा छात्र छात्राओं की शैक्षणिक गतिविधिया भी प्रभावित हो रही है। 200 फीट लगभग दीवाल के गिरने से असमाजिक तत्व लगातार रोड में सक्रिय नजर आते हैं बीच बीच में स्कूल परिसर के अंदर भी आ जाते है। साथ लोगों के द्वारा घरो से निकलने वाले कचरा को भी परिसर के अंदर फेक दिया जाता है जिसको लेकर स्कूल का स्टाफ चिंतित है वही स्कूल में रखी सामग्री पर खतरा बना रहता है।

इनका कहना है

बाउंड्री वॉल टूटी होने के कारण परिसर खुला होने से छात्राओं एवं स्कूल की सुरक्षा पर चुनौती बनते जा रही है। लगातार मांग किए जाने से बजट जारी किया गया। दो बार कार्य प्रारंभ भी किया गया लेकिन कुछ कारणों से कार्य बंद हो गया। पूरी स्थिति से उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया है।

अजय सिंह चौहान, प्राचार्य
पीएम हाई स्कूल कोतमा

खबर संक्षेप

कोयलांचल सहित ग्रामीण क्षेत्रों में चढ़ने लगा होली का रंग

कोतमा। नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में होली का रंग चढ़ने लगा है। बाजारों में रंग, गुलाल और पिचकारियों की दुकानें सज गई हैं। बच्चे अपनी पसंद की पिचकारियां खरीदकर उत्साहित हैं। हालांकि, इस बार बाजार में पिछले सालों की तुलना में ज्यादा दुकानें लगी हैं। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में होली का रंग चढ़ने लगा है। बाजारों में रंग, गुलाल और पिचकारियों की दुकानें सज गई हैं। बच्चे अपनी पसंद की पिचकारी लेने के लिए उत्साहित नजर आ रहे हैं। त्योहार को लेकर महिलाएं होलिका दहन की तैयारियों में जुटी हैं। घरों में गाय के गोबर से गूलरी बनाई जा रही है। स्कूलों में बच्चे एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दे रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि रंगोत्सव के लिए दुकानें सज गई हैं, लोगों में उत्साह दिख रहा है। इस बार होली में पानी की बचत का संदेश भी दिया जा रहा है। लोगों को गुलाल से होली खेलने की सलाह दी जा रही है। आज नगर में जगह-जगह होलिका दहन का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए पहले से ही तैयारी कर ली गई है होली का डांग भी गाड दिया गया है। नगर के विभिन्न मोहल्ले में दो दर्जन से ज्यादा छोटी बड़ी होलिका दहन का आयोजन किया गया है। इसके लिए बच्चे लकड़ी भी इकट्ठा कर रहे हैं और चंदा भी जुटा रहे हैं। शुभ मुहूर्त में होलिका का दहन किया जाएगा। इस बार होली में भद्रा का साया भी रहेगा। होली त्यौहार को लेकर बाजार में काफी चहल-पहल सुबह से लेकर देर रात तक बनी रही लोगों ने घर के जरूरी सामग्रियों की जमकर खरीदारी की। मिठाई, किराना, रंग, अबीर, गुलाल, पिचकारी, मुखोटे विभिन्न प्रकार के शर्ट एवं बालों की दुकान भी सजी थी जिसमें पहुंचकर बच्चों सहित बड़ों ने जमकर खरीदारी की। होली पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न करने के लिए पुलिस प्रशासन ने भी कमर कस ली है जगह-जगह पुलिस की ड्यूटी लगाई जाएगी रमजान का पर्व भी शुरू होने के कारण मस्जिदों में भी पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल ने बताया कि तीन दिवसीय रंगों के पर्व को लेकर पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी बनाई गई है चौराहों पर भी पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है होलिका दहन स्थल पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी। उन्होंने बताया कि हुल्लड़ बाज एवं शराबियों पर विशेष नजर रहेगी।

श्री मोतीलाल की भावभीनी विदाई

बदरा/जमुना। नगर पालिका परिषद पसान में स्वच्छता सेवक श्री मोतीलाल पिता स्व. परसू के सेवानिवृत्त होने पर भावभीन विदाई समारोह आयोजित किया गया अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर उन्हें विधिवत सेवानिवृत्त किया गया। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष राम अवध सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह उर्फ मिंटू, इंजीनियर उमेश त्रिपाठी, इंजीनियर अविनाश मरकाम, राजेश सिंह जिला मीडिया प्रभारी, संतोष तिवारी 'कलाम' सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे ।

भक्ति कुंज ग्रन्थ का विमोचन गरिमामय कार्यक्रम के मध्य किया गया

धर्मानुरागी श्री सरावगी का ग्रन्थ प्रकाशन में रहा स्तुत्य योगदान

अतिराज वाटिका बुढार में भक्ति कुंज ग्रन्थ विमोचन समारोह का भव्य आयोजन शनिवार को किया गया और भक्ति, प्रेम, करुणा और आध्यात्म से परिपूर्ण भक्ति कुंज ग्रन्थ का गरिमामय कार्यक्रम के मध्य पधारे महामंडलेश्वर तथा महंतों ने ग्रन्थ का विमोचन किये।

बुढार।

सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक धर्मानुरागी-छोटेलाल सरावगी के अभिन्न मित्र करुआताल (गोहपारू) निवासी साकेत वासी स्व. श्री बाबा माधव शरण द्वारा विरचित भक्ति कुंज ग्रन्थ के प्रकाशन का दायित्व सौंपा था, जिसे श्री सरावगी ने सहृदयता का अनुपमेय उदाहरण धर्मप्रेमियों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए ग्रंथ प्रकाशित करवाये जिसका विमोचन जिले एवं नगर तथा आस पास के हजारों धर्मप्रेमियों की उपस्थिति में गरिमामय कार्यक्रम के मध्य किया गया।

भक्ति कुंज ग्रन्थ विमोचन समारोह महामंडलेश्वर पंचकुइया पीठाधीश्वर 1008 श्री रामगोपाल दास जी महाराज (इंदौर), महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री गंगादास महाराज श्रीमूल पीठाधीश्वर पीठ (वृन्दावन) के आतिथ्य में तथा श्री राम जानकी मंदिर बुढार के महन्त श्री 108 अर्जुनदास महाराज, महन्त श्री 108 सीवर्धन पीठाधीश्वर श्री राघवेन्द्र दास महाराज (उ.प्र.), एवं महन्त श्री 108 श्री जानकी वल्लभ दास जी महाराज खातीपुरा (इंदौर), शास्त्रीय उचेहरा धाम के प्रधान पुजारी भंडारी श्री शंकरघाट केवलनिया के महन्त श्री 108 श्री रामदास महाराज गीताधाम कटकोना के गीतानुरागी श्रीकान्त शर्मा,श्री सिख गुरुद्वारा बुढार के मुख्य ज्ञानी जी स्व.न्यायाधीश हिदायतुल्ला, समाजसेवी रोशनी प्रसाद गर्ग, डा. तीर्थ प्रसाद द्विवेदी के गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया।

ग्रन्थ के विमोचन अवसर पर पधारे परम पूज्य महामंडलेश्वर तथा महन्तों का धर्मानुरागी छोटेलाल सरावगी ने परिवार जनों के साथ पादुका पूजन किये और श्रीराम जी के प्रतिमा पर अतिथियों ने पूजन अर्चन किये उसके उपरांत पधारे अतिथियों का ससम्मान मंचस्थ कराया गया।

भक्ति कुंज एक प्रेरणादायी आध्यात्मिक ग्रन्थ है, जो भक्त और भगवान के मधुर संबंधों को सरल, भावपूर्ण और हृदयस्पर्शी भाषा में है, यह ग्रन्थ भक्ति को केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला के रूप में स्थापित करता है और इसमें प्रेम, समर्पण, विनम्रता और ईश्वर स्मरण की महिमा को दोहा, छंद, कथाओं, पदों और मुक्तियों के माध्यम से जीवंत रूप में उकेरा गया है। जिसे 7 खंडों में विभक्त किया गया है जिसमें - श्रीराम जानकी चरित्र,श्री दुर्गा चरित्र, श्री गणेश चरित्र, भक्ति चरित्र वाली भक्ति चरित्र, भक्ति शबरी, आदिराज, भक्त भील, सुधन्वा, अम्बरीष एवं भक्त वर्मा विनय खंड से परिपूर्ण है, जो धर्मप्रेमी पाठकों के अंतर्मन में श्रद्धा और सकारात्मकता का निश्चित ही संचार करेगा।

भक्ति कुंज ग्रन्थ विमोचन समारोह में पधारे महामंडलेश्वर श्री रामगोपाल दास श्री महाराज ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि बाबा माधव शरण ने पवित्र सदग्रंथ के विभाग की कुंजी बुढार के धर्मानुरागी छोटे लाल सरावगी को दे गये वे छोटे नहीं बल्कि बड़े लाल हैं, जिनमें ढेर निष्ठा व समर्पण भावना है, जो धर्म प्रेमियों के लिये चरित्र सदग्रंथ का प्रकाशन कराया जो धर्म प्रेमियों के जीवन को मंगलमय निश्चित ही करेगा।

धर्मानुरागी छोटे लाल सरावगी ने कार्यक्रम में पधारे महामण्डेलवर तथा मन्हतो का वंदन करते हुये कहाकि-मेरे परममित्र बाबा माधव शरण जी ने रचित पवित्र सद्ग्रंथ के प्रकाशन हेतु वर्ष 2005 में हस्तलिपि दिये और प्रकाशित कराने का मुझे आज सौभाग्य मिला, यह उनका बहुत बड़ा मुझ पर आशिर्वाद है। ग्रंथ के प्रकाशन करवाने में श्रीराम जानकी मंदिर के महन्त श्री अर्जुन दास जी महाराज, डो. तीर्थ प्रसाद द्विवेदी, रोहणी प्रसाद गर्ग,गीतानुरागी श्रीकान्त शर्मा, डॉ पंकज शर्मा का भरपूर मार्गदर्शन मिला। इसके पूर्व कार्यक्रम में पधारे आगंतुक जनों का स्वागत पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष राजकुमार सरावगी में सभी के प्रति व्यक्त किया, वहीं नगरपरिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने कार्यक्रम में पधारे सभी के प्रति आभार प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ पंकज शर्मा तथा अभिषेक शर्मा ने किया।

बुढार में श्री महावीर द्वार निर्माण कार्य का शिलान्यास, विधायक श्री मरावी ने पधारे पूज्य मुनिश्री के सानिध्य में पूजन कर किया

बुढार। बुढार नगर के विश्राम गृह के निकट नवीन निर्माणाधीन श्री महावीर द्वार का भूमिपूजन नगर में पधारे पूज्य मुनिश्री के सानिध्य में रविवार को किया गया। नगर के मुख्य मार्ग विश्राम गृह के निकट श्री महावीर द्वार निर्माण कार्य की सौगात जैतपुर क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी ने अर्जित करवायी है, जिस दिशा में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी का स्तुत्य प्रयास रहा है, और श्री महावीर द्वार का निर्माण कार्य आने वाले समय में पूर्ण हो सकेगा।सन्त शिरोमणि परम पूज्य विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य भावनायोग प्रणेता मुनिश्री 108 प्रमाण सागर श्री महाराज, मुनिश्री संधान सागर, मुनि श्री शीतल सागर महाराज जी के परम सानिध्य में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी के विशिष्ट उपस्थिति में निर्माणाधीन श्री महावीर प्रवेश द्वार का भूमिपूजन नागरिकों, पार्षदों के उपस्थिति में जैतपुर क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी ने भूमिपूजन कर व कुदाल चलाकर शिलान्यास किये। श्री महावीर द्वार निर्माण भूमिपूजन अवसर पर-नगर परिषद सी.एम.ओ. सौरभ श्रीवास्तव, उपयंत्री सी.पी. पाण्डेय, पूर्व पार्षद विक्रम बारी, रविकुमार रजक, नीलेश जैन, योगेन्द्र सिंह, संजय द्विवेदी, पार्षद श्रीमती सविता सिंह भदौरिया, जूली जैन, रश्मि सिंह, जूली रजक, सुधा बारी, काजल सरावगी, पार्षद हरीश चन्द्र केवट की विशिष्ट उपस्थिति रही।

मोह, मिथ्यात्व और अज्ञान ही जीव के भटकाव का मूल कारणः मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज

बुढ़ार।

नव-निर्मित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के पाँचवें दिन आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। 'भावनयोग' प्रणेता, राष्ट्रीय संत मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने भगवान के कैवल्यज्ञान उपरांत समवसरण की गणधर पीठिका से जीव के कल्याण और संसार के दुखों के मूल कारण पर मर्मस्पर्शी उद्बोधन दिया।

संसार में भटकाव का कारण

मुनि श्री ने जीव की अंतहीन यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनादि काल से जीव चारों गतियों और 84 लाख योनियों में भटक रहा है। उन्होंने स्पष्ट कियाः

"इस भटकाव का मूल कारण अंतर में पलने वाला मोह, मिथ्यात्व और अज्ञान है। जब तक जीव अपने आत्मस्वरूप को नहीं समझेगा, तब तक उसे सम्यक दर्शन की प्राप्ति नहीं हो सकती।"

नरक गति की विभीषिका का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि वहां जीव को असहनीय यातनाएं सहनी पड़ती हैं। नरक से निकलकर जीव तिर्यंच और फिर मनुष्य जन्म तो पाता है, लेकिन यहाँ भी वह कषायों (क्रोध, मान, माया, लोभ) के कारण पाप का भागी बनता रहता है।

सम्यक दर्शन ही धर्म का मूल

मुनि श्री ने "दर्शन मूलो धम्मो" का सूत्र देते हुए कहा कि सम्यक दर्शन ही धर्म का आधार है। इसके बिना न ज्ञान शुद्ध होता है और न ही चरित्र। भव-बंधन से मुक्ति के लिए रत्नत्रय (सम्यक दर्शन, ज्ञान, चरित्र) की पूर्णता अनिवार्य है।

समवसरण में विराजमान मुनि श्री प्रसाद सागर, मुनि श्री शीतलसागर, मुनि श्री संधानसागर एवं अन्य संतों और ब्रह्मचारी भैयाओं द्वारा पूछे गए धार्मिक प्रश्नों का समाधान मुनि श्री ने अपनी दिव्य 'ओंकार ध्वनि' से किया।

'भगवान महावीर द्वार' का ऐतिहासिक शिलान्यास

पंचकल्याणक महोत्सव के इस पावन अवसर पर एक नया अध्याय जुड़ा। पूज्य मुनि श्री के ससंघ सानिध्य में "भगवान महावीर द्वार" का विधिवत शिलान्यास संपन्न हुआ।

मुख्य उपस्थितिः क्षेत्रीय विधायक जय सिंह मरावी, नगर परिषद अध्यक्षा शालिनी सरावगी एवं परिषद सदस्यों ने शिला पूजन किया।

महत्वः मुनि श्री ने कहा कि भगवान के नाम के साथ नगर में प्रवेश करने से सभी कार्य निर्विघ्न होते हैं। यह द्वार आस्था और संस्कृति का प्रतीक बनेगा।

अतिथिगणः इस दौरान मध्यप्रदेश शासन के राज्यमंत्री दिलीप जयसवाल, जिला कलेक्टर केदार सिंह और चित्रकुट धाम के भागवत कथा वाचक डॉ. मदनमोहन मिश्र सहित अनेक गणमान्य जनों ने श्रीफल समर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

बुढार पुलिस का सख्त संदेश: होली पर हुड़दंगियों की खैर नहीं, टीआई ने दी चेतावनी शराब पीकर उत्पात मचाया तो होगी कार्रवाई

बुढार।

रंगों का त्योहार होली और धुलेंडी को लेकर बुढार पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है।नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार ने नगरवासियों से त्योहार को शालीनता और सादगी के साथ मनाने की अपील की है, साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी है कि हुड़दंग करने वाले और अवैध गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी।

प्रमुख चौराहों पर होगी सघन चेकिंग

होली के मद्देनजर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी

है। सोमवार से ही नगर के प्रमुख स्थलों पर विशेष अभियान चलाया जा रहा हैः लोहिया चौक, बस स्टैंड, जैतपुर चौराहा और कॉलेज तिराहा पर रात के समय सघन वाहन जांच की जाएगी। गली-मोहल्लों में पुलिस की पेट्रोलिंग टीम निरंतर गश्त करेगी ताकि असामाजिक तत्वों पर लगाम लगाई जा सके।

नशे में उत्पात मचाने वालों पर 'नो टॉलरेंस'

थाना प्रभारी श्री गहरवार ने कड़े शब्दों में कहा है कि धुरेडी के दिन किसी भी प्रकार का नशा कर सार्वजनिक स्थलों पर घूमना या विवाद करना भारी पड़ सकता है। "सोमवार और मंगलवार को यदि कोई भी व्यक्ति शराब का सेवन कर सार्वजनिक स्थान पर पाया गया या किसी से विवाद करते मिला, तो उसके विरुद्ध तत्काल प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाएगी। शांति भंग करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।"

सौहार्द बनाए रखने की अपील

पुलिस प्रशासन ने नगर वासियों से अपील की है कि वे इस पावन पर्व को आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ मनाएं। यातायात नियमों का पालन करें और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए पुलिस का सहयोग करें। अपराधी तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवायी करने के लिये पुलिस तैयार है।

बुढार: बिजली विभाग का कड़ा रुख, 9 करोड़ की वसूली के लिए अब कटेगा कनेक्शन और होगी कुर्की

बुढार।

विद्युत विभाग के सब-डिवीजन में बकाया राजस्व वसूली को लेकर अब 'आर-पार' की जंग शुरू कर दी है। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों रुपये की लंबित राशि को देखते हुए विभाग ने बड़े स्तर पर कनेक्शन काटने और ट्रांसफार्मर हटाने की कार्रवाई तेज कर दी है। विभाग की इस सख्ती से क्षेत्र के बकायादारों में हड़कंप मचा हुआ है।

9 करोड़ की वसूली के लिए विभाग हुआ सख्त

बुढार विद्युत विभाग के अंतर्गत वर्तमान में शासन की 'समाधान योजना' लागू होने के बावजूद 14, हजार 2 सौ 89 उपभोक्ताओं पर लगभग 09 करोड़ रुपये से भी अधिक की राशि बकाया है।

सहायक अभियंता सुभाष सेन ने बताया किःबकायादारों को राशि जमा करने के लिए कई बार नोटिस देकर आग्रह किया गया था, लेकिन उपभोक्ताओं द्वारा रुचि न दिखाए जाने के कारण अब विभाग विवश होकर सख्त कदम उठा रहा है।"

अब तक की बड़ी कार्रवाईः एक नजर में

विभाग द्वारा चलाए जा रहे व्यापक वसूली अभियान के आंकड़े चौंकाने वाले हैंःकनेक्शन विच्छेदनः अब तक 432 विद्युत कनेक्शन काटे जा चुके हैं, जिन पर 01 करोड़ 02 लाख रुपये बकाया थे।ट्रांसफार्मर जब्तीः केशवाही क्षेत्र में बकाया जमा न होने पर 02 नग विद्युत ट्रांसफार्मर उतार लिए गए हैं, जिससे संबंधित क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है।कुर्की की तैयारीः विभाग ने 292 बड़े बकायादारों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध कुर्की की कार्यवाही के लिए नोटिस जारी कर दिए हैं।

स सहायक अभियंता की चेतावनी

सहायक अभियंता सुभाष सेन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि बकाया राशि जमा न करने की स्थिति में कनेक्शन काटने और कुर्की की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई और असुविधा से बचने के लिए अपनी बकाया राशि का भुगतान तत्काल करें।

शांति समिति की बैठक: सौहार्द् के साथ मनाएं होली और ईद नियमों का उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

बुढार। आगामी त्यौहारों को शांति और भाईचारे के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार को बुढार थाने में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नगर के गणमान्य नागरिकों और प्रशासनिक अधिकारियों ने आगामी होलिका दहन, धुलेंडी और रमजान ईद-उल-फितर को लेकर चर्चा की।

प्रशासन की अपीलः सादगी और सुरक्षा का रखें ध्यान

बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने स्पष्ट निर्देश दिए कि त्यौहारों के दौरान हुड़दंग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर जोर दियाः

विद्युत सुरक्षाः होलिका दहन के समय यह सुनिश्चित करें कि ऊपर से बिजली के तार न गुजर रहे हों।

जबरदस्ती मनाहीः किसी भी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध रंग या गुलाल न लगाएं।

यातायात नियमः दो पहिया वाहन पर तीन सवारी बैठाना प्रतिबंधित है।

नशा और ड्राइविंगः शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

धार्मिक भावनाएं: किसी भी समुदाय की भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं, त्यौहार को सादगी से मनाएं।

बोर्ड परीक्षाओं का रखें ख्याल

तहसीलदार सुमित गुर्जर ने ध्वनि प्रदूषण पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि वर्तमान में बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि डीजे या साउंड सिस्टम को तीव्र गति में न बजाएं। शासन द्वारा निर्धारित गाइडलाइन का अक्षरशः पालन करें, अन्यथा जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में उपस्थित मुख्य अतिथि एवं गणमान्य

यह बैठक तहसीलदार सुमित गुर्जर, सीएमओ सौरभ श्रीवास्तव, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कैलाश विश्नानी, नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार, मंडल अध्यक्ष अर्जुन सोनी और सब इंस्पेक्टर गोविंद भगत के आतिथ्य में संपन्न हुई। इस दौरान पूर्व नपा उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र ताम्रकार, लक्ष्मण दास चंदानी, पत्रकार आशीष नामदेव, राकेश पांडेय, नसीर रजा, पार्षद हर्ष पाठक, श्रीमती सविता सिंह, मोहन बैगा, एडवोकेट वीरेंद्र सिंह, विजय यादव, राम एस मलानी, ओमप्रकाश पांडेय और राजा ताम्रकार सहित भारी संख्या में मीडियाकर्मी व नागरिक उपस्थित रहे।

नगर में पधारे महामण्डलेश्वर के सानिध्य में श्री नारायण दास शास्त्री संस्कृत वेद विद्यालय का शुभारंभ एवं गौशाला निर्माण कार्य का किया गया भूमिपूजन

बुढार।

श्रीराम जानकी मंदिर बुढार में श्री नारायण दास शास्त्री संस्कृत वेद विद्यालय का शुभारंभ नगर में पधारे जाने-माने महामण्डलेश्वर एवं महन्तों के गौरवमयी उपस्थिति में किया गया, वहीं गौशाला निर्माण कार्य का भूमिपूजन धर्मप्रेमियों के उपस्थिति में किया गया।

श्री नारायण दास शास्त्री संस्कृत वेद विद्यालय का शुभारंभ तथा गौशाला निर्माण का भूमिपूजन श्रीराम जानकी मंदिर बुढार के पूज्य महन्त श्री अर्जुन दास जी महाराज तथा धर्मानुरागी छोटेलाल सरावगी (पूर्व विधायक) ने वेदाचार्यों के वैदिक मन्त्रोच्चारण के साथ विधि-विधान पूजन-अर्चन किये, वहीं गौशाला निर्माण का भूमिपूजन व कुदाल चलाकर किया गया।

महामण्डलेश्वर पंचकुइया पीठाधीश्वर 1008 श्री रामगोपाल दास जी महाराज (इन्दौर), महामण्डलेश्वर श्री श्री 1008 श्री गंगादास जी महाराज श्रीमूलक पीठाधीश्वर (वृन्दावन) के सानिध्य में तथा महन्त श्री 108 श्री राघवेन्द्र दास जी महाराज सीवर्धन पीठाधीश्वर (उ.प्र.), महन्त श्री 108 श्री जानकी वल्लभ दास जी महाराज खातीपुरा (इन्दौर) तथा मानव कल्याण आश्रम गीताधाम कटकोना के गीतानुरागी श्रीकान्त शर्मा एवं नगर में पधारे सन्तों के गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। श्रीराम जानकी मंदिर के पूज्य महन्त साकेतवासी श्री नारायण दास शास्त्री जी एवं साकेतवासी श्री महन्त श्री राम बालक दास जी महाराज के आशाओं एवं आकांक्षाओं के अनुरूप श्रीराम जानकी मन्दिर बुढार के वर्तमान महन्त श्री अर्जुन दास जी महाराज ने बुढार मंदिर में श्री नारायण दास शास्त्री संस्कृत वेद विद्यालय का शुभारंभ करवाये जाकर सौगात अर्पिज करायी गई है, वहीं गौमाता की सेवा में हाथ बढ़ाते हुए नवीन गौशाला के निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन सम्पन्न कराया गया है। बुढार में संस्कृत वेद विद्यालय के शुभारंभ हो जाने से संस्कृत वेद की दिशा में भावी कर्णधारों को निःशुल्क संस्कृत वेद अध्ययन की सुविधा अर्जित हो सकेगी। नगर में इस निमित्त पधारे महामण्डलेश्वर पंचकुइया पीठाधीश्वर श्री रामगोपाल दास जी महाराज ने संस्कृत वेद विद्यालय के शुभारंभ तथा गौशाला भूमिपूजन अवसर पर धर्मप्रेमियों को शुभार्शीवचन देते हुए कहाकि - श्रीराम जानकी मंदिर के पूज्य साकेतवासी महंत श्री ने इस अंचल में सदैव धर्मध्वजा फहराते हुए धर्मप्रेमियों के मंगलमय जीवन का शुभाशीष दिये और उनकी भावनाओं के अनुरूप वर्तमान महंत श्री अर्जुन दास जी महाराज सतत समर्पित हैं, जिससे निश्चित ही यहाँ शुभारंभ किये गये संस्कृत वेद विद्यालय से वेद व उपनिषद की अच्छी व संस्कारित शिक्षा भावी कर्णधार अर्जित कर संस्कृत के क्षेत्र में नगर एवं संभाग व प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम अवसर पर नगर एवं आसपास के श्रद्धालुजनो की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

खबर संक्षेप

सच्चाई की हुई जीत- विनोद सेन

अनूपपुर। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को राहत दिए जाने के फैसले पर आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रदेश सह सचिव (ओबीसी प्रकोष्ठ) विनोद सेन ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह फैसला केवल किसी एक नेता की नहीं, बल्कि संविधान, लोकतंत्र और देश की जनता की जीत है। सत्ता के दुरुपयोग और राजनीतिक प्रतिशोध की राजनीति पर न्यायपालिका ने करारा प्रहार किया है। विनोद सेन ने कहा कि महीनों तक चली जांच, सैकड़ों गवाहों और लंबे समय तक चले राजनीतिक आरोपों के बावजूद एक भी ठोस सबूत सामने नहीं आना यह साबित करता है कि पूरा मामला साजिश के तहत गढ़ा गया था। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता द्वारा चुनी गई सरकार को काम करने से रोकने के लिए झूठे मामलों का सहारा लिया गया, लेकिन सच्चाई को अधिक समय तक दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, मुफ्त बिजली-पानी, मोहल्ला क्लिनिक और महिलाओं की सुरक्षा जैसे जनहितकारी कार्यों से घबराकर केंद्र की सत्ता ने आम आदमी पार्टी को निशाना बनाया। जननेताओं को जेल में डालकर डराने और दबाने की कोशिश की गई, लेकिन आज न्यायालय के फैसले ने यह स्पष्ट कर दिया कि झूठ और अन्याय की उम्र लंबी नहीं होती। विनोद सेन ने कहा कि इस निर्णय से देश की जनता का न्यायपालिका और संविधान पर विश्वास और मजबूत हुआ है। उन्होंने दो टूक कहा कि आम आदमी पार्टी न डरने वाली है और न ही रुकने वाली। पार्टी सामाजिक न्याय, ईमानदार राजनीति और आम आदमी के अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती के साथ आगे भी जारी रखेगी।

अनूपपुर में होली (धुरेड़ी) पर रहेगा शुष्क दिवस

अनूपपुर। होली पर्व के अवसर पर जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी हर्षल पंचोली ने 'शुष्क दिवस' घोषित करने के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार 02 मार्च की रात्रि 11:30 बजे से 03 मार्च (धुरेड़ी) की सायंकाल 05:00 बजे तक जिले में शुष्क दिवस प्रभावी रहेगा। इस अवधि में जिले की समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानें, एफ.एल.-3 (होटल बार) तथा देशी मद्यभांडागार पूर्णतः बंद रहेंगे। मदिरा के क्रय-विक्रय एवं परिवहन पर प्रतिबंध रहेगा। आबकारी एवं पुलिस विभाग को अवैध मदिरा के संग्रहण, विनिर्माण एवं परिवहन पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों से शांति एवं सौहार्द के साथ होली पर्व मनाने की अपील की है।

होली त्यौहार पर बाइक से गांव गांव पहुंच रही शराब

कोतमा। कोयलांचल क्षेत्र के कोतमा नगर में शराब पैकारी का खेल जमकर चल रहा है। सुबह से लेकर शाम तक दो पहिया वाहनों के माध्यम से शराब की खेप गांव-गांव में आसानी से पहुंचाई जाती है। शराब आसानी से उपलब्ध होने के कारण युवा पीढ़ी नशे के लत में फंसकर अपराध की ओर मुंह मोड़ रहा है। बताया जाता है कि होली त्यौहार को लेकर कोतमा अंतर्गत दुकानों से दो पहिया वाहन में रखकर गोहंड्रा, बुढानपुर, चंगेरी, पैरीचूहा, निगवानी, सेमरिया चौराहा, पथरौड़ी तिराहा सहित अन्य गांव में शराब पहुंचाई जाती है। जिसके बाद ठेला, गुमटी सहित किराना दुकान के आड़ में अवैध शराब की बिक्री कराई जाती है। अवैध शराब के कारण देर रात तक शराबियों का जमघट लगता है जो कि नशे में धुत्त होकर आपस में हंगामा करते हैं जिस कारण आसपास के रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अवैध पैकारी को लेकर कई बार स्थानीय नागरिकों द्वारा प्रशासन को ज्ञापन सौंप कर कार्यवाही की मांग की गई लेकिन उसके बाद भी आबकारी विभाग द्वारा कार्यवाही खाना पूर्ति तक सीमित रहती है। नागरिकों का कहना है कि विभाग को सूचना देने पर भी कोई कार्यवाही नहीं होती बल्कि कोरम पूरा करते हुए महुआ शराब को पकड़ कर प्रकरण दर्ज कर लिया जाता है। दूसरी तरफ नगर से लेकर गांव तक नशे का मकड़जाल तेजी से फैल रहा है जिसकी चपेट में आकर क्षेत्र का युवा वर्ग नशे के आगोश में समाता जा रहा है। पिछले साल होली त्यौहार पर कोतमा नगर के केशवाही चौक मे शराब के नशे मे एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी। त्यौहार को देखते हुए आबकारी विभाग को अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाते हुए कार्यवाही किये जाने की मांग की गई है जिससे होली का त्यौहार शांतिपूर्ण सम्पन्न हो सके।

भारत आदिवासी पार्टी के विधायक कमलेश्वर डोडियार ने विधानसभा में निरस्तगी की रखी मांग

सड़क से सदन तक अपर नर्मदा बांध के खिलाफ आदिवासी हुंकार

क्षेत्र के विधायक सांसद आपदा में ढूंढ रहे अवसर-ललन परस्ते

अपर नर्मदा बांध परियोजना शोभापुर अब सिर्फ एक सरकारी फाइल नहीं, बल्कि आदिवासी अस्तित्व की लड़ाई बन चुकी है। डिंडोरी और अनूपपुर के हजारों प्रभावित किसान सड़क पर रहे है, तो उनकी आवाज़ अब विधानसभा तक पहुंच चुकी है। जल-जंगल-ज़मीन पर मंडराते खतरे के बीच भारत आदिवासी पार्टी ने सत्ता के सन्नाटे को तोड़ते हुए संघर्ष का बिगुल फूंक दिया है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अपर नर्मदा बांध परियोजना शोभापुर के खिलाफ लंबे समय से सुलग रहा आदिवासी आक्रोश अब विस्फोटक रूप ले चुका है। डिंडोरी और अनूपपुर जिले के प्रभावित किसानों ने साफ कर दिया है कि वे अपने गांव, जंगल और जमीन को डूबने नहीं देंगे। मध्यप्रदेश की राजनीति में जहां कांग्रेस और भाजपा वर्षों से सत्ता की कुर्सी के इर्द-गिर्द घूमती रहीं, वहीं तीसरे मोर्चे के रूप में भारत आदिवासी पार्टी ने इस मुद्दे को नई धार दी है। जनवरी की 30 तारीख को पुष्पराजगढ़ में विरोध की चिंगारी फूटी रहा है, जब सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार ने ऐलान किया कि यह लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ी जाएगी। अब वही ऐलान मध्यप्रदेश विधानसभा में गूंज चुका है। हजारों परिवारों के विस्थापन, जल-जंगल-ज़मीन की बर्बादी और आदिवासी अधिकारों के कुचले जाने का मुद्दा जब सदन के पटल पर आया, तो क्षेत्र में उम्मीद की लौ जली है कि अब फैसला जनता के पक्ष में भी हो सकता है।

विधानसभा में गरजी आदिवासी आवाज़

भारत आदिवासी पार्टी के इकलौते विधायक कमलेश्वर डोडियार ने विधानसभा में जो सवाल उठाए, वे सत्ता के लिए असहज करने वाले थे। उन्होंने हजारों आदिवासी परिवारों के विस्थापन, पुश्तैनी जमीनों के डूब क्षेत्र में जाने और आजीविका पर पड़ने वाले प्रहार को बेनकाब किया है। यह महज भाषण नहीं था, बल्कि उस दर्द की अभिव्यक्ति थी जिसे वर्षों से फाइलों में दबाया गया है। सदन में उठी यह आवाज़ अब गांव-गांव तक उम्मीद बनकर पहुंच रही है कि शायद इस बार आदिवासी समाज की सुनी जाएगी, न कि उसे फिर से बहला-फुसलाकर चुप कराया जाएगा।

9 मार्च को सागर टोला बनेगा संघर्ष का केंद्र

आगामी 9 मार्च को पड़ोसी जिला डिंडोरी के सागर टोला में विशाल आमसभा होने जा रही है, जहां आंदोलन को नई ऊर्जा मिलेगी, इस आमसभा को भारत आदिवासी पार्टी से राजस्थान के बांसवाड़ा से सांसद राजकुमार रौत और सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार संबोधित करेंगे जिसका संदेश साफ है कि यह लड़ाई अब सिर्फ स्थानीय नहीं रही, बल्कि राज्य और देश के आदिवासी आंदोलन का प्रतीक बन रही है। आयोजनकर्ताओं ने जनता से अपील की है कि भारी संख्या में पहुंचकर इस जनविरोधी परियोजना के खिलाफ एकजुटता दिखाएं जिससे जनता की आवाज बुलंद हो सके।

अनूपपुर-डिंडोरी की संयुक्त हुंकार

अनूपपुर और डिंडोरी के संयुक्त तत्वावधान में हो रही यह आमसभा सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि साझा प्रतिरोध का मंच है। गांव-गांव से लोग जुटने को तैयार हैं। किसान, महिलाएं, युवाओ सबका एक ही सवाल है कि क्या विकास के नाम पर हमें उजाड़ दिया जाएगा? यह एकजुटता बता रही है कि अब आदिवासी समाज बंटकर नहीं, बल्कि संगठित होकर लड़ेगा।

कांग्रेस-भाजपा की चुप्पी, आदिवासियों से गद्दारी

भारत आदिवासी पार्टी का आरोप है कि वर्षों से सत्ता में रही कांग्रेस और भाजपा ने आदिवासी समाज को सिर्फ वोट बैंक समझा है। जब जल-जंगल-ज़मीन बचाने की बारी आई, तो दोनों दलों के विधायक और सांसद खामोश रहे है। परियोजना में निजी लाभ तलाशने के आरोपों ने राजनीतिक माहौल को और गरमा दिया है। पार्टी का कहना है कि अगर समय रहते आवाज़ नहीं उठाई गई, तो आने वाली पीढ़ियां माफ नहीं करेंगी। यह चुप्पी अब सवालों के घेरे में है और जवाब जनता मांग रही है।

जनता साथ दे, तभी बदलेगा फैसला

भारत आदिवासी पार्टी के अनूपपुर जिला अध्यक्ष ललन सिंह परस्ते ने दो टूक कहा कि यह लड़ाई पार्टी की नहीं, जनता की है। अगर लोग साथ आएंगे, तभी सांसद और विधायक सदन में प्रभावी दबाव बना पाएंगे और इस बांध परियोजना को निरस्त कराया जा सकेगा। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि डर और भ्रम को छोड़कर अपने हक के लिए खड़े हों। संदेश साफ है कि अब या तो जनता बोलेगी, या फिर इतिहास एक और विस्थापन की कहानी लिख देगा साथ ही कहा है कि जनता द्वारा चुने गए विधायक सांसद आज अगर पटल पर इस समस्या को समय के साथ पटल में रखे होते हो किसानों को किसानी छोड़ कर सड़क में नहीं उतरना पड़ता भीड़ देख कर राजनीतिक रोटियां सेकना जनप्रतिनिधि बंद कर देवे अब आदिवासी समाज जाग चुका है इस आपदा को अवसर बनाने में लगे क्षेत्र के विधायक सांसद भूल में न रहे अब समाज जाग चुका है। सामाजिक न्याय, ईमानदार राजनीति और आम आदमी के अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती के साथ आगे भी जारी रखेगी।

संकल्प महोत्सव 2026 भव्यता, गरिमा और उत्कृष्ट आयोजन के साथ हुआ संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

संकल्प महाविद्यालय अनूपपुर द्वारा 27 फरवरी को आयोजित संकल्प महोत्सव 2026 भव्य, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय परिसर विद्यार्थियों और स्टाफ के उत्साह, ऊर्जा एवं सांस्कृतिक रंगों से सराबोर दिखाई दिया। अभिभावकों एवं अतिथियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा विद्यार्थियों को लक्ष्य, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सफलता की आधारशिला है और ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष अनूपपुर हीरा सिंह श्याम ने महाविद्यालय प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्थान विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण के लिए सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए ऐसे आयोजनों को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। अनूपपुर अनुविभागीय अधिकारी कमलेश पूरी अनूपपुर अनुभागीय अधिकारी कमलेश पूरी द्वारा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु उठाए जा रहे कदमों की सराहना की गई। छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय लोकगायक सुनील मानिकपुरी ने अपनी मधुर लोकधुनों से पूरे वातावरण को रोमांचित कर दिया। उनकी प्रस्तुति पर दर्शक झूम उठे और कार्यक्रम में नई ऊर्जा का संचार हुआ। प्रसिद्ध बॉलीवुड सिंगर स्तुति जायसवाल की मधुर एवं ऊर्जावान प्रस्तुति ने वातावरण को सुरमय बना दिया। उनकी गायकी ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया और कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा। गुदुम ग्रुप के कलाकारों ने अपनी पारंपरिक नृत्य प्रस्तुति से सांस्कृतिक समृद्धि का जीवंत परिचय दिया। उनकी ऊर्जावान प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, नाटक एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। विद्यार्थियों की प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं अनुशासन ने यह सिद्ध कर दिया कि संस्थान शिक्षा के साथ-साथ सर्वांगीण विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

महाविद्यालय के संचालक ने अपने उद्बोधन में सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संकल्प महाविद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता ही नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों, अनुशासन और संस्कारों से युक्त व्यक्तित्व निर्माण है। उन्होंने आश्वस्त किया कि संस्थान भविष्य में भी विद्यार्थियों के कैरियर उन्नयन एवं कौशल विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। इस अवसर पर अनूपपुर मुख्य जिला एवं स्वास्थ्य अधिकारी, श्रीमती अल्का तिवारी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस सी राय, रेडक्रॉस सोसाइटी अनूपपुर के अध्यक्ष डॉ. आर.पी. सोनी, अनूपपुर कोतवाली प्रभारी अरविंद जैन, अनूपपुर यातायात प्रभारी विनोद दुबे, शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय की प्राचार्या रेनू सिंह, कॉंग्रेस नेता मयंक त्रिपाठी, जय प्रकाश श्रीवास्तव, भाजपा मंडल अध्यक्ष ब्रजेश चतुर्वेदी, जितेंद्र भट्ट, सत्यनारायण सोनी, स्मार्ट सिटी अनूपपुर के निर्माता विवेक बियानी, डॉक्टर शिवेंद्र द्विवेदी, विभिन्न महाविद्यालयों के संचालक सहित पत्रकार साथी एवं अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रहे।

सीआईसी अंचल में रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए सांसद को दिया ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला विकास मंच के संयोजक वासुदेव चटर्जी एडवोकेट ने सांसद हिमाद्री सिंह को अनूपपुर में रेलवे स्टॉपेज के कार्यक्रम में सीआईसी अंचल में रेल सुविधाओ के विस्तार के लिए ज्ञापन दिया है। उसमें उन्होंने लेख किया है कि बिलासपुर-अनूपपुर-कटनी एवं सीआईसी. रेल सेक्शन अंबिकापुर-चिरमिरी क्षेत्र में सुविधाओं की निरंतर मांग स्थानीय जनप्रतिनिधियो के द्वारा रेल प्रशासन से लंबे समय से की जा रही है। उन्होंने सांसद से जन अपेक्षा की है कि ट्रेन सुविधाओ का विस्तार सप्ताहिक रानी कमलावती-सातरागांछी एक्सप्रेस, जबलपुर-सातरागांछी, हमसफर एक्सप्रेस, सप्ताहिक एक्सप्रेस रेक शेयरिंग अनुबंध के तहत संचालित होती है। अन्य जगहो के लिए भी यही रेक के माध्यम से ट्रेनो का परिचालन होता है, रैक देरी से पहुचने के कारण लंबे समय से उक्त दोनो सप्ताहिक ट्रेन निरंतर 8-10 घंटे देरी से चल रही है। सही समय पर ट्रेन न चलने से यात्रियो का आवागमन मे असुविधा होती है। यात्रा के दोनो दिशाओ में कमशः कटनी-शहडोल-अनूपपुर-बिलासपुर से यदि अन्य जगहो के लिए ट्रेन में पकडकर यात्रा करनी हो तो यात्रीगण को समय पर ट्रेन उपलब्ध नहीं हो पाती है। आवागमन की यात्रियो की असुविधा को दृष्टिगत रखकर सही समय पर ट्रेन को चलाये जाने की जन अपेक्षा है। ट्रेन नंबर 22909, 22910 सप्ताहिक-पुरी बलसाड़ एक्सप्रेस ट्रेन का बिस्तार बडे महानगर मुबई तक की सीधी रेल सुविधा के लिए बोराबेली (मुंबई) तक बिस्तार करते हुए इसे सप्ताह मे 3 दिन संचालित किया जावे। ट्रेन नंबर 51755, 51756 चिरमिरी-अनूपपुर, 11751, 11752, रीवा-चिरमिरी साधारण सवारी गाड़ी को पूर्व की भाँति पूर्व समयानुसार नियमित रूप से चलाया जावे क्योकि कोयला क्षेत्र में कार्यरत श्रमिको को रीवा क्षेत्र में आवागमन में सुविधा के साथ दैनिक रूप से स्थानीय कर्मचारीगणो को अनूपपुर से शहडोल और आगे की यात्रा के लिए सुविधा उपलब्ध होगी। यह ट्रेन अंचल की लाइफ लाईन ट्रेन है। वर्तमान समय में यह सप्ताह मे 3 दिन चल रही है। यात्रीहित को ध्यान में रखते हुए इस ट्रेन को नियमित रूप से संचालित किया जावे। ट्रेन नंबर 12535,12536 रायपुर-लखनऊ गरीब रथ एक्सप्रेस में दो बोगी चेयर कार की लगायी जावे, जिससे कम दूरी की यात्रीगणो को आवागमन मे सुविधा प्राप्त होगी। पूर्व के समय संचालित की गयी ट्रेन जो वर्तमान समय में बंद है सुबह के समय 9 से 9.30 के बीच अनूपपुर-अंबिकापुर के लिए मेमो ट्रेन चलायी जावे। बहु प्रतिक्षित नागपुर-शहडोल एक्सप्रेस ट्रेन का विस्तार अनूपपुर, अंबिकापुर, पेण्ड्रारोड तक किया जावे। बडे महानगर चेन्नई तक की सीधे रेल सुविधा के लिए बिलासपुर से चेन्नई के मध्य एवं बिलासपुर से पुणे के मध्य चलने वाली सप्ताहिक एक्सप्रेस गाडी को सप्ताह मे 1 दिन वाया बिलासपुर-अनूपपुर-शहडोल-कटनी-जबलपुर-गोंदिया होकर चलायी जावे।

यात्री सुविधाओ के विस्तार पर दिया जाए ध्यान- पूर्व में अनूपपुर रेल्वे स्टेशन परिसर में स्टेट बैंक का एटीएम संचालित था जो वर्तमान समय में बंद कर दिया गया है। यात्रियो की सुविधाओ को दृष्टिगत रखकर एटीएम की सुविधा पुनः प्रदान कराया जावे व स्टेशन परिसर में ही क्लाकरूम के सुविधा का भी निर्माण किया जावे। पूर्व में अमरकंटक में रेल्वे का पीआरएस सेंटर जो संचालित था बंद कर दिया गया है। उसे पुनः प्रारंभ कराया जाय। राजेन्द्रग्राम (पुष्पराजगढ) में संचार विभाग के माध्यम से रेल्वे का पीआरएस की सुविधा प्रदान कराया जावे। अमृत भारत एवं गतिमान योजना के तहत स्वीकृति अनूपपुर के निर्माण कार्य को शीघ्र समाप्त करते हुए द्वितीय चरण के निर्माण का कार्य प्रारंभ कराते हुए प्लेट फार्म क्रमांक 05, 06 का निर्माण व स्टेशन की दूसरी दिशा का मार्ग प्रारंभ करते हुए दूसरी दिशा में भी रेल्वे के पीआरएस की सुविधा व टिकट बिकी केन्द्र की स्थापना करायी जावे। निर्माणधीन बी.के.61 रोड ओव्हर ब्रिज का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराते हुए प्लेट फार्म क्रमांक 01 से 03 को जोडने वाली फुट ओव्हर ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण कराया जावे। रेल्वे स्टेशन अनूपपुर के बाहर शुलभ काम्पलेक्स का निर्माण सवेक्षित स्थल पर अविलंब कराने की व्यवस्था की जावे। अनूपपुर मे सामानो के रख रखाव हेतु रैक प्वाइंट का निर्माण किया जावे एवं स्टेशन परिसर के बाहर एवं मुख्य मुख्य जगहो पर ट्रेनो के आवागमन की जानकारी के लिए इलेक्ट्रिनिक ब्लो साइन बोर्ड लगाया जावे।

आमाडांड भूमिगत उपक्षेत्र में अधिग्रहित भूमि पर अधिक मुआवजा के लालच में भूमियों पर अवैध निर्माण बढा.

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

अनूपपुर जिले के रामनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत, साउथ ईस्टर्न कोल फिल्ड लिमिटेड के जमुना- कोतमा क्षेत्र की आमाडांड भूमिगत खदान उपक्षेत्र/परियोजना हेतु कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन एवं विकास) अधिनियम 1957 की धारा 9 (1) के तहत ग्राम मलगा एवं ग्राम आमाडांड, तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर की भूमि का अर्जन भारत सरकार कोयला मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना 02 जनवरी 2026 के माध्यम से किया गया है। नियमानुसार इस अधिग्रहित भूमि पर अब भूमि का खरीदी बिक्री नहीं हो सकेगी। इस अधिग्रहित भूमि पर किसी प्रकार का कोई भी निर्माण कार्य नही किया जा सकता है। परंतु भूमि स्वामियो द्वारा अधिक मुआवजा के लालच में दिन, रात अपने-अपने भूमियों पर कच्चे, पक्के मकान, टीन के शेड का निर्माण कार्य कर रहे हैं। जब कि 1 वर्ष पूर्व कालरी प्रबंधन द्वारा जमीन के अधिग्रहित होने से पूर्व इन भूमियों के परिसंपत्तियो भौतिक सत्यापन सर्वे कराकर रिकॉर्ड रखा है। उस समय सभी भूमि खेती योग्य थी। उस समय इन भूमियों में किसी भी भवन, उद्योग, कारखाने, फैक्ट्री का निर्माण कार्य नहीं हुआ था। यह सभी भूमि कृषि कार्य मे थी। आमाडांड भूमिगत उपक्षेत्र के ग्राम मलगा, ग्राम आमाडांड में भारत सरकार, कोयला मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना 02.01.2026 में अधिग्रहित भूमियों पर अगर अवैध निर्माण कार्य नहीं रुके तो कालरी प्रबंधन द्वारा कानूनी कार्रवाई की जायेगी। जिसके संपूर्ण जवाबदारी भूमि स्वामियों की होगी। अधिग्रहित भूमियों पर सर्वे विभाग के द्वारा भौतिक सत्यापन कर वीडियोग्राफी एंव ड्रोन से सर्वे कराया गया। आमाडांड भूमिगत उपक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मलगा, ग्राम आमाडांड में भूमियों का अधिग्रहण हुआ है। अधिग्रहण से पूर्व एंव पश्चात में उन भूमियों के परिसंपत्तियों का कालरी प्रबंधन के द्वारा नियमानुसार सर्वे टीम के सदस्यों के साथ भौतिक सत्यापन किया गया है, तत्पश्चात उन सभी अधिग्रहित भूमियों का वीडियोग्राफी भी कि गयी है। वर्तमान समय में उन्नत टेक्नोलॉजी ड्रोन कैमरे के माध्यम से संपूर्ण अधिग्रहित भूमि क्षेत्र का सर्वे कार्य किया जा चुका है।

शिव मारुति युवा संगठन के सहयोग से मनाया जाएगा गौकाष्ठ आधारित होलिका दहन उत्सव

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के निर्देशों के परिपालन में इस वर्ष अनूपपुर जिले में होली का पर्व पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक संदेश के साथ मनाया जाएगा। "गौकाष्ठ आधारित होलिका दहन" को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन के साथ-साथ शिव मारुति युवा संगठन ने भी सक्रिय भूमिका निभाते हुए तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत अनूपपुर द्वारा जनपद पंचायत जैतहरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। नोडल अधिकारी को मुख्य नगरपालिका अधिकारी के समन्वय से शासन के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। शासन के निर्देशानुसार इस वर्ष होलिका दहन में पारंपरिक लकड़ी के स्थान पर गौकाष्ठ (गोबर से निर्मित लकड़ी) एवं उपलों के उपयोग को प्राथमिकता दी जाएगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वनों की कटाई पर रोक लगाना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा गोवंश आधारित उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करना है। शिव मारुति युवा संगठन द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों, स्वयंसेवकों एवं सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से गौकाष्ठ की उपलब्धता सुनिश्चित करने और इसके उपयोग के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। संगठन द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनजागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन एवं शिव मारुति युवा संगठन ने नागरिकों से अपील की है कि जल संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्राकृतिक एवं हर्बल रंगों का उपयोग करें। साथ ही पशु-पक्षियों पर रंग न डालने, नशा एवं हुड़दंग से दूर रहने तथा भाईचारे और सद्भाव के साथ पर्व मनाने का आग्रह किया गया है। इस अभियान में नोडल जनपद पंचायत जैतहरी, नगर पालिका अनूपपुर, आजीविका मिशन अनूपपुर तथा शिव मारुति युवा संगठन मिलकर कार्य कर रहे हैं। प्रशासनिक समन्वय के माध्यम से जिलेभर में पर्यावरण-अनुकूल होलिका दहन सुनिश्चित किया जाएगा। गौकाष्ठ आधारित होलिका दहन के माध्यम से इस वर्ष अनूपपुर में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक परंपराओं को प्रकृति-अनुकूल स्वरूप में आगे बढ़ाने का सकारात्मक संदेश दिया जाएगा।